SOUTH ASIA BAMBOO FOUNDATION

16वाँ विश्व बाँस दिवस 2025 का संदेश

🌿 इस 16वें विश्व बाँस दिवस पर हम बाँस का उत्सव केवल प्रकृति की देन के रूप में नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय वस्तु (Commodity) के रूप में मना रहे हैं।

बाँस आज भारत के लाखों किसानों, कारीगरों और उद्यमियों की आजीविका का आधार है—विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों में। यह रोज़गार, आवास, उद्योग, जलवायु संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और प्लास्टिक के विकल्प के रूप में अद्भुत समाधान प्रदान करता है।

हाल ही में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की स्थापना की है और इस क्षेत्र को मज़बूत करने के लिए लगभग ₹475 करोड़ की योजना की घोषणा की। जिस प्रकार मखाना को एक रणनीतिक वस्तु का दर्जा मिला है, उसी प्रकार अब समय आ गया है कि बाँस को भी उसका वास्तविक आर्थिक और नीतिगत स्थान दिया जाए।

👉 राष्ट्रीय बाँस बोर्ड की स्थापना से:

- ❖ किसानों और उत्पादकों को उचित मूल्य और बाज़ार सहयोग मिलेगा,
- ❖ कारीगर समूहों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को मज़बूती मिलेगी,
- ❖ अनुसंधान, नवाचार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा,
- ❖ भारत को बाँस उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस विश्व बाँस दिवस पर हम सब—किसान, कारीगर, उद्योगपति, नीति निर्माता और वैश्विक राजदूत—एक स्वर में कहें:

बाँस सिर्फ़ घास नहीं है। बाँस हमारी वस्तु है। बाँस भारत का हरा सोना और हमारा भविष्य है।

🌍 आइए, हम सब मिलकर भारत को बाँस अर्थव्यवस्था में वैश्विक नेतृत्व दिलाएँ।

16वें विश्व बाँस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

— कामेश सलाम, संस्थापक, विश्व बाँस दिवस, 18th September 2025

Narikalbari ,Zoo Narengi Road,Guwahati-781024,Assam
Manipur: Crafts Complex, Patsoi Part-1, Imphal West, Manipur -795140,
Email: Southasiabamboo@gmail.com
www.Kameshsalam.guru